प्रिलिम्स फैक्ट: 10 सितंबर, 2021

- भारतीय दूतावासों/मिशनों में आत्मनिर्भर कॉर्नर
- विश्व का सबसे उत्तरी द्वीप

भारतीय दूतावासों/मिशनों में आत्मनिर्भर कॉर्नर

Atmanirbhar Corner in Indian Missions

भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास परिसंघ (**Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India-TRIFED)** विदेश मंत्रालय के सहयोग से विश्व भर में स्थित 100 भारतीय मिशनों/दूतावासों में आत्मनिर्भर भारत कॉर्नर स्थापित करने की योजना बना रहा है।

- स्वतंत्रता दिवस पर थाईलैंड के बैंकॉक में भारतीय दूतावास में पहले आत्मनिर्भर भारत कॉर्नर का उद्घाटन किया गया।
- ट्राइफेड एक राष्ट्रीय स्तर का शीर्ष संगठन है जो जनजातीय मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। यह वन धन कार्यक्रम, एमएफपी **के लिये एमएसपी और** ट्राइफूड जैसी योजनाओं में शामिल है।

प्रमुख बिंदु

- **आत्मनिर्भर भारत कॉर्नर:**
  - प्राकृतिक और जैविक उत्पादों के अलावा GI टैग (भौगोलिक संकेत) प्राप्त करने वाले आदिवासी कला और शिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये **आत्मनिर्भर कॉर्नर** का एक विशेष स्थान होगा।
- **भौगोलिक संकेत:**
  - भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication) का इस्तेमाल ऐसे उत्पादों के लिये किया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है। इन उत्पादों की विशिष्ट विशेषता एवं प्रतिष्ठा भी इसी मूल क्षेत्र के कारण होती है। इस तरह का संबोधन उत्पाद की गुणवत्ता और विशिष्टता का आश्वासन देता है।
  - जीआई टैग को औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण के लिये पेरिस कन्वेंशन (Paris Convention for the Protection of Industrial Property) के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के एक घटक के रूप में शामिल किया गया है।
  - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर GI का विनियमन विश्व व्यापार संगठन (WTO) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights-TRIPS) पर समझौते के तहत किया जाता है।
  - वहीं राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य 'वस्तुओं का भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 (Geographical Indications of goods 'Registration and Protection' act, 1999) के तहत किया जाता है, जो सितंबर 2003 से लागू हुआ।
  - वर्ष 2004 में 'दार्जिलिंग टी' जीआई टैग प्राप्त करने वाला पहला भारतीय उत्पाद है।
    - भारत के लिये भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री चेन्नई में स्थित है।
    - भौगोलिक संकेत का पंजीकरण 10 वर्षों की अवधि के लिये वैध होता है। इसे समय-समय पर 10-10 वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिये नवीनीकृत किया जा सकता है।
- **अन्य संबंधित पहलें:** आदि महोत्सव, गो ट्राइबल अभियान, ट्राइब्स इंडिया आदि।

विश्व का सबसे उत्तरी द्वीप

World's Northernmost Island

हाल ही में एक नए द्वीप की खोज की गई है जो ग्रीनलैंड के तट पर स्थित है।

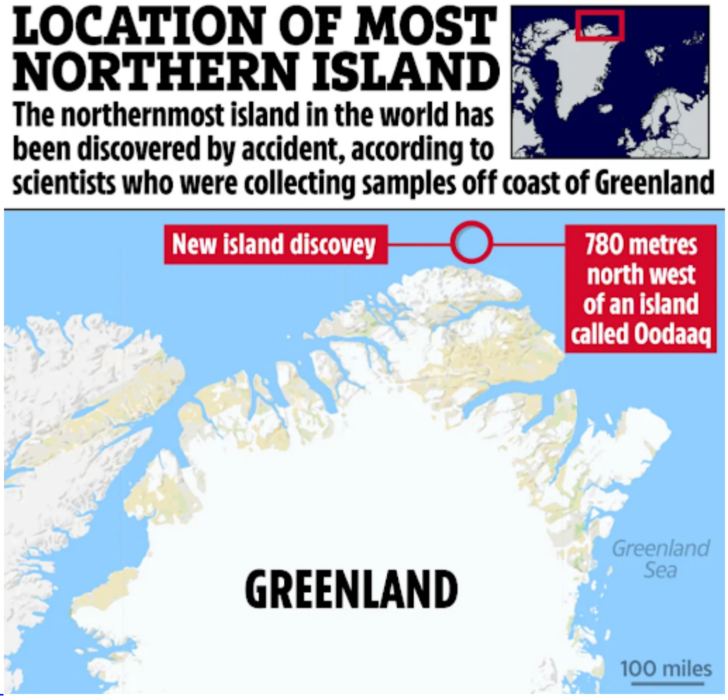

//

प्रमुख बिंदु:

- 60×30 मीटर वाला और समुद्र तल से तीन मीटर की चोटी के साथ यह अब पृथ्वी पर भूमि का नया सबसे उत्तरी टुकड़ा बन गया है।
- इससे पहले **उडाक आईलैंड (Oodaaq)** को पृथ्वी के सबसे उत्तरी क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया था।
- इसका निर्माण समुद्र तल की मृदा और मलबे (**Moraine**) से हुआ है तथा इसमें कोई वनस्पति नहीं पाई जाती है।
- शोधकर्त्ताओं ने सुझाव दिया है कि इस खोज का नाम **'क्यूकर्टाक अवन्नारलेक' (Qeqertaq Avannarleq)** रखा जाए, **जिसका अर्थ ग्रीनलैंडिक में "सबसे उत्तरी द्वीप"** है।
- यह खोज **आर्कटिक देशों**- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, कनाडा, डेनमार्क और नॉर्वे के बीच उत्तरी ध्रुव के उत्तर में लगभग 700 किमी. तथा आसपास के समुद्र तल, मछली पकड़ने के अधिकार और जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ के पिघलने से उजागर मार्गों के नियंत्रण के लिये एक चुनौती के रूप में सामने आई है।
- **ग्लोबल वार्मिंग** का ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर पर गंभीर प्रभाव हो सकता है, हालाँकि नया द्वीप जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष परिणाम नहीं है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-10-september-2021